ओम् महिमा

हरि ॐ

जै बापू जी दी

ओम् महिमा

ओम् वाणी

एवम्

सकल स्तुति

महाराज जी की

सप्रेम धन्यवाद

श्री 108 बापू रविन्दर जी महाराज

www.shriomdarbarnandachaur.com

आओ सुनाऊँ ओम् की वाणी।
सत्गुरु जी की आप जुबानी।।

सुबह सवेरे उठ कर प्राणी।
शीतल वायु खाया कर।1।

श्री 108 बापू स्वामी पानप देव जी महाराज

जीवन जीने की खातिर।
ओम् नाम तू गाया कर।2।

ओम् है परब्रह्म ज्ञानी।
ओम् से बड़ा न कोई दानी।3।

श्री 108 बापू परम हंस बाबा ठाकुर जी महाराज

ओम् दुनिया का केन्द्र
ओम् ब्रह्माण्ड का महेन्द्र ।4।

ओम् पर रखो पूरी निष्ठा।
ओम् देगा मान प्रतिष्ठा।5।

चरण पादुका श्री 108 बापू ज्वाला सिंह जी महाराज

ओम् हमारा ईष्ट।
ओम् न होने दे अनिष्ट।6।

ओम् नाम है अमूल।
ओम् स्वामी हम चरणों की धूल।7।

श्री 108 बापू ओम नारायण दत्त जी महाराज

ओम् से मिले रिद्धि सिद्धि।
ओम् देवे सुख समृद्धि।8।

ओम् शरण में तीनों लोक।
ओम् संवारे लोक परलोक।9।

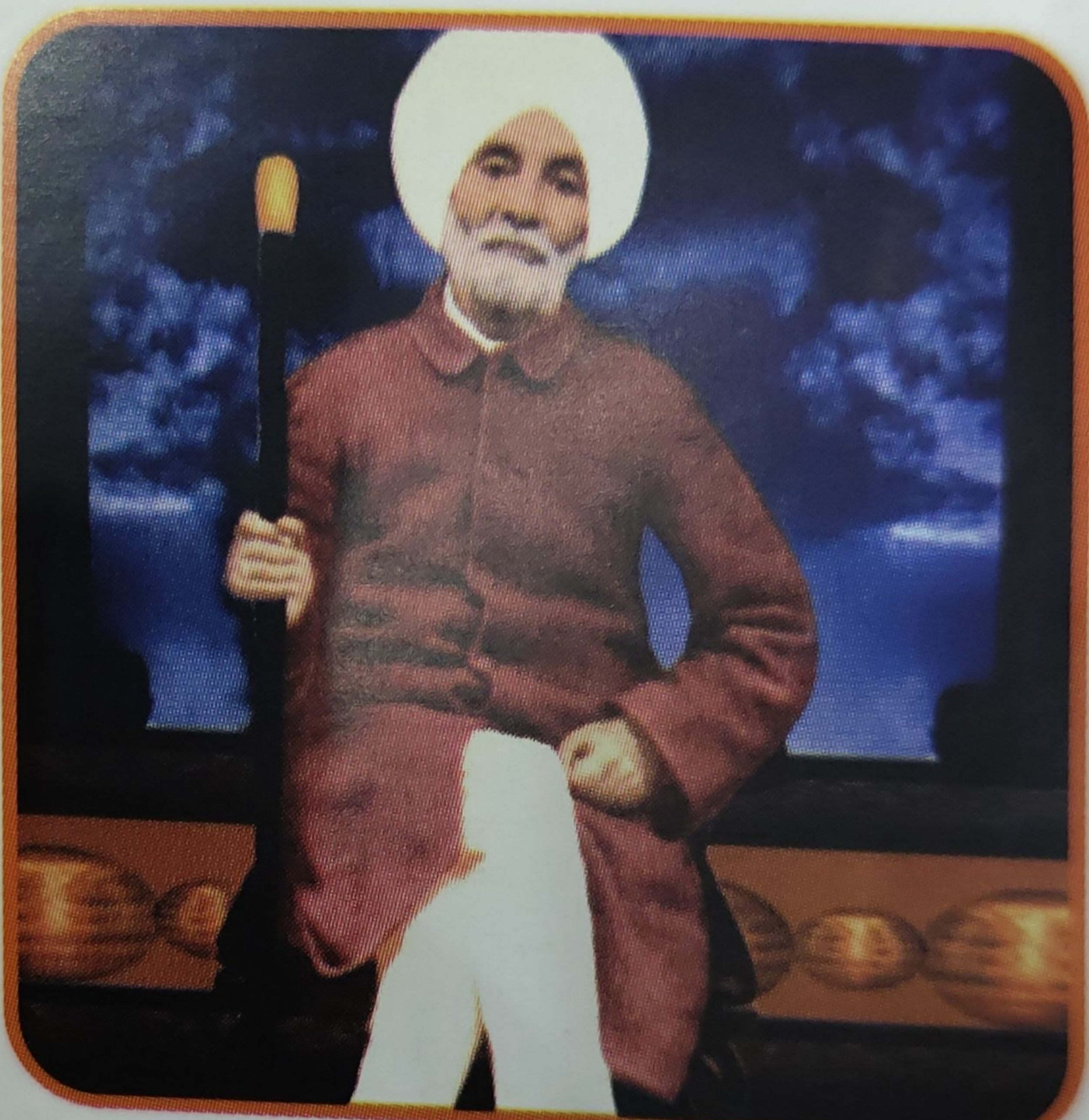

महाबली श्री 108 बापू हरनाम दास जी महाराज

ओम् ही सच्चिदानंद।
ओम् ही परमानंद।10।

भक्त ओम् को मन में भाल।
ओम् जाने मन का हाल।11।

जगत स्वामी श्री 108 बापू श्रद्धाराम जी महाराज

ओम् है अविनाशी।
ओम् है सुख की राशि।12।

ओम् है दीन दयाल।
ओम् है पुरुष अकाल।13।

श्री 108 बापू गुरदास राम जी महाराज

ओम् पिता ओम् ही माता।
ओम् का वाक्य न टाले विधाता।14।

ओम् के सिवा न सच कोई दूजा।
करो सब ओम् की पूजा।15।

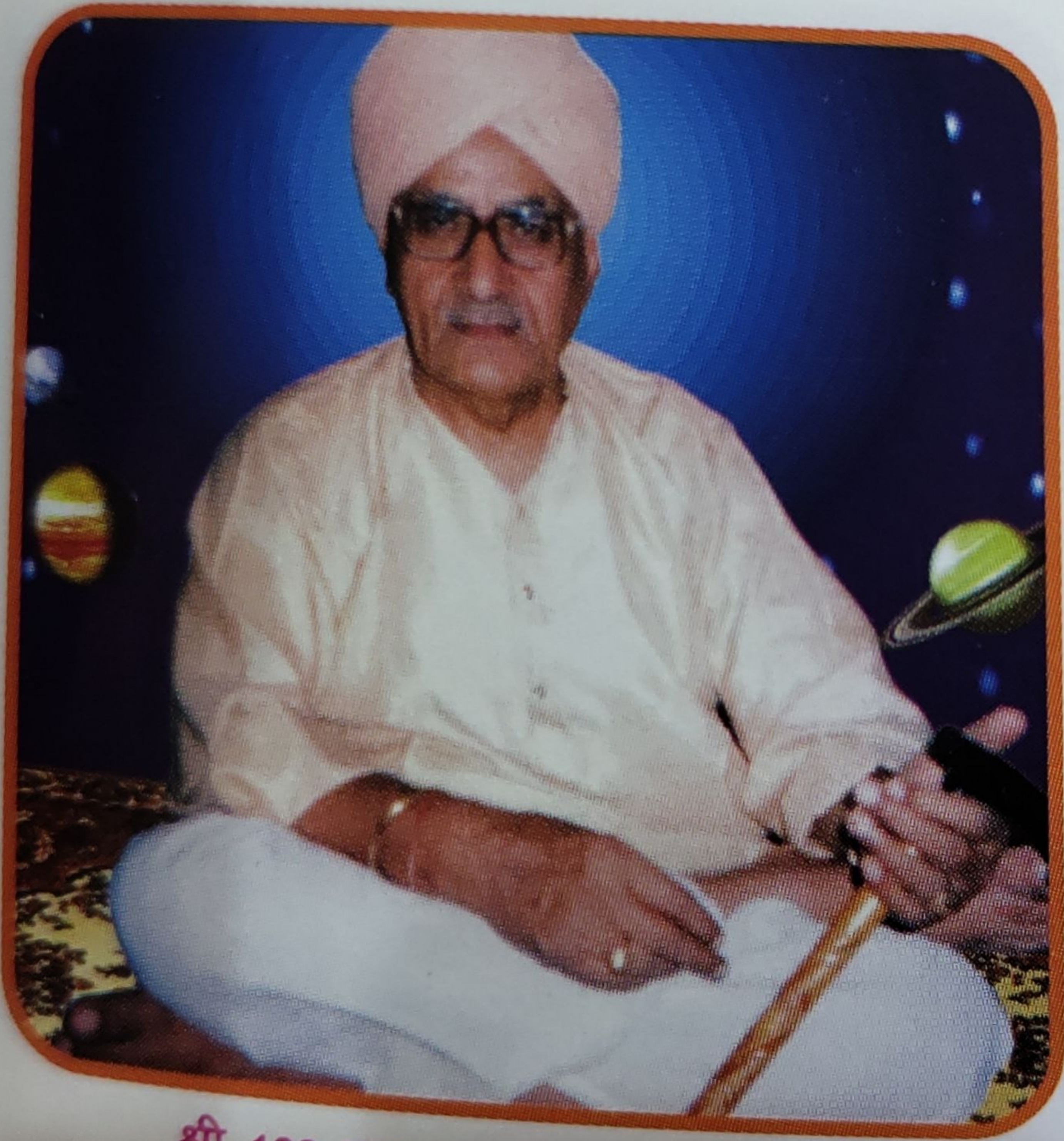

श्री 108 बापू भानु दत्त जी महाराज

कर न दास अब तू देर।
ओम् नाम का मनका फेर।16।

ओम् चार वेदों का मूल।
प्राणी ओम् को कभी न भूल।17।

श्री 108 बापू हरभगवान जी महाराज

ओम् की है यह सब माया।
ओम् ही रोम माही समाया।18।

ओम् से जीवन सम्पूर्ण।
ओम् औषधालय से पाओ चूर्ण।19।

ओम शहंशहा झण्डा साहिब की सदा ही जय

ओम् ओम् बोले वडभागी।
ओम् नाम से सुरति जागी।20।

ओम् नाम है निरंजन।
ओम् नाम आँखों का अंजन।21।

जगत स्वामी श्री 108 बापू श्रद्धाराम जी महाराज

ओम् नाम सब की परतीत।
ओम् से ही लागे प्रीत।22।

बन प्राणी ओम् का साधक।
रह सके न कोई बाधक।23।

श्री 108 बापू ओम नारायण दत्त जी महाराज

हिन्दोस्तानी ओम् फरमान।
ओम् के लिए सब एक समान।24।

ओम् नाम का करो सत्संग।
ओम् हमारे है अंग संग।25।

श्री 108 बापू ओम नारायण दत्त जी महाराज

ओम की बनाओ मन में मूर्ति।
ओम् करे सब कामना पूर्ति।26।

ओम् भक्ति का मज़ा सम्भाल।
ओम् है जाहो जलाल।27।

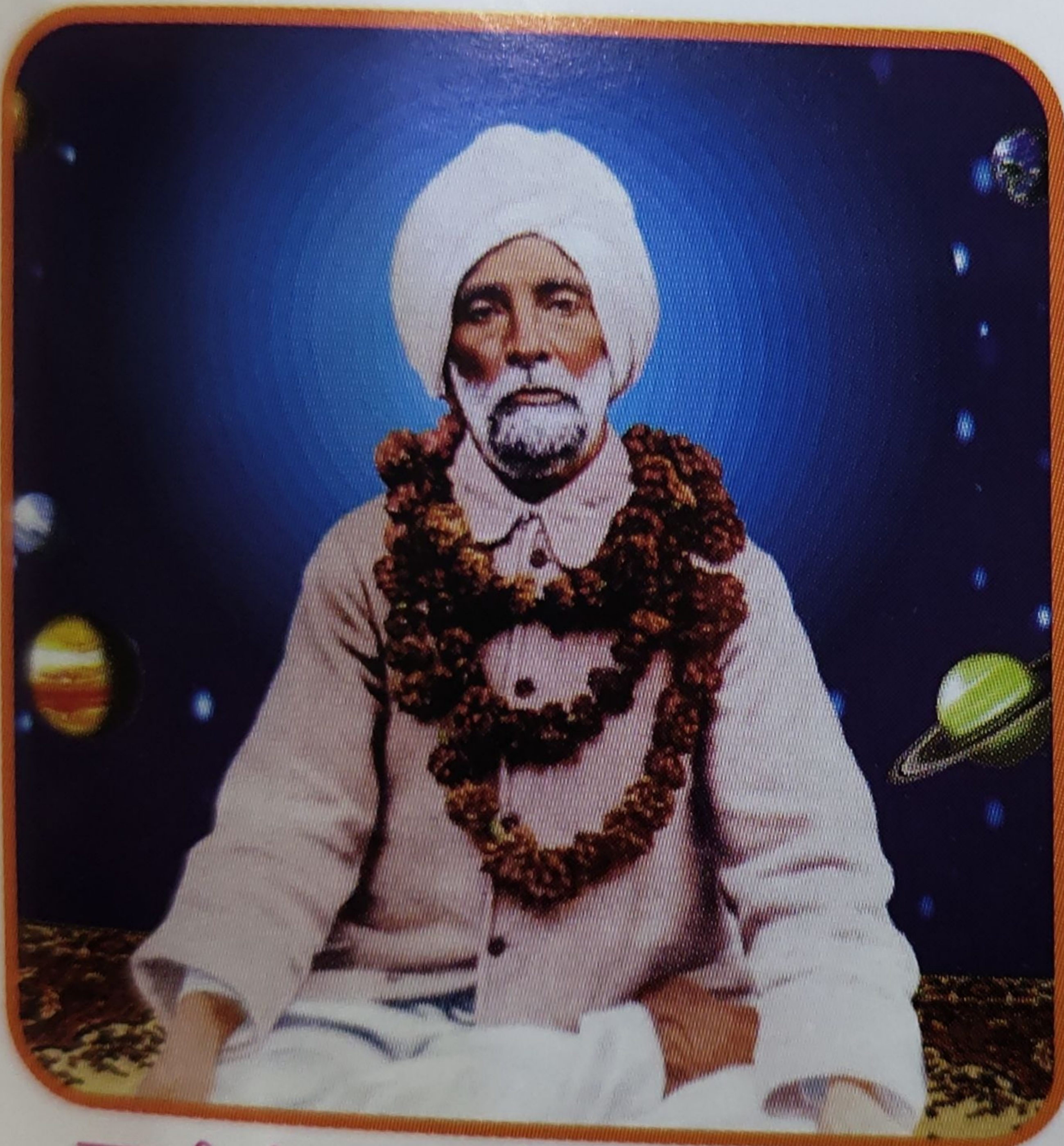

महाबली श्री 108 बापू हरनाम दास जी महाराज

भूत प्रेत ओम् से भागे।
आए न कोई ओम् के आगे।28।

ओम् है निरंकार।
करो ओम् की जय–जयकार।29।

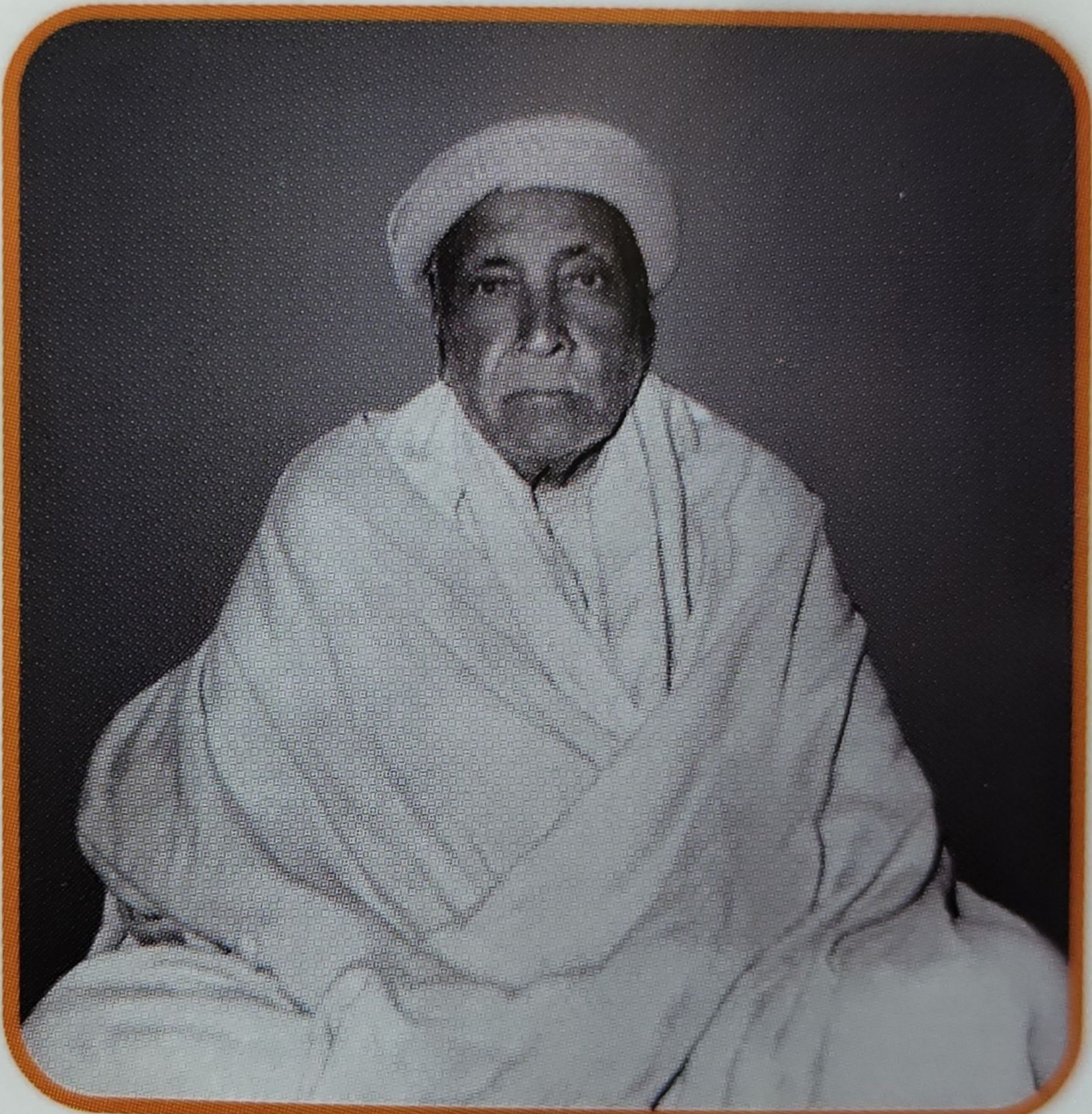

जगत स्वामी श्री 108 बापू श्रद्धाराम जी महाराज

ओम् सिमरो स्वास–श्वास।
ओम् करेगा पाप का नाश।30।

ओम् नाम है बलवान।
ओम् नाम है शक्तिवान।31।

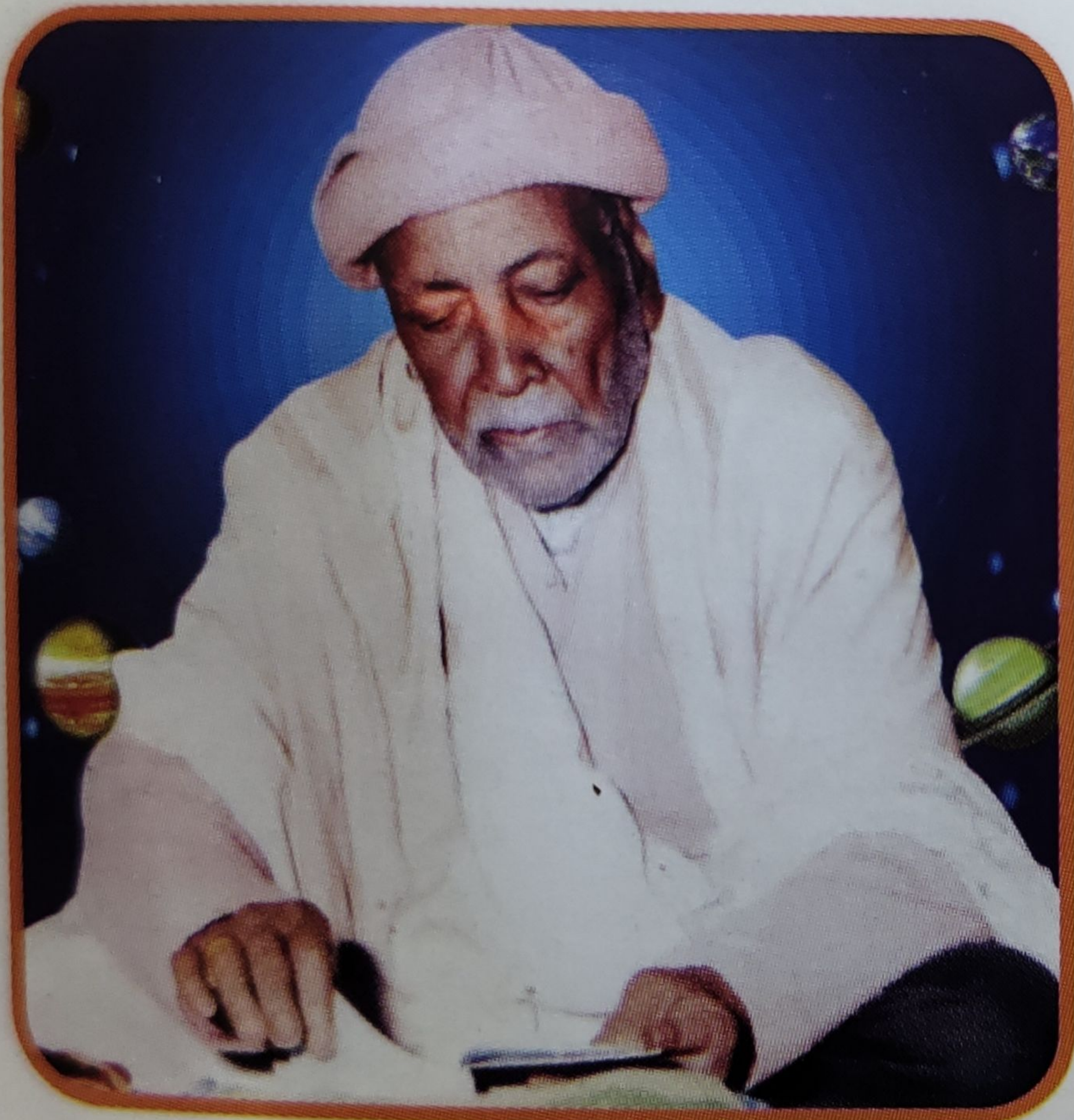

जगत स्वामी श्री 108 बापू श्रद्धाराम जी महाराज

मत देखो सुबह और शाम।
जप लो प्यारे ओम् का नाम।32।

ओम्–ओम् की जपो माला।
लगेगा नरक द्वार पर ताला।33।

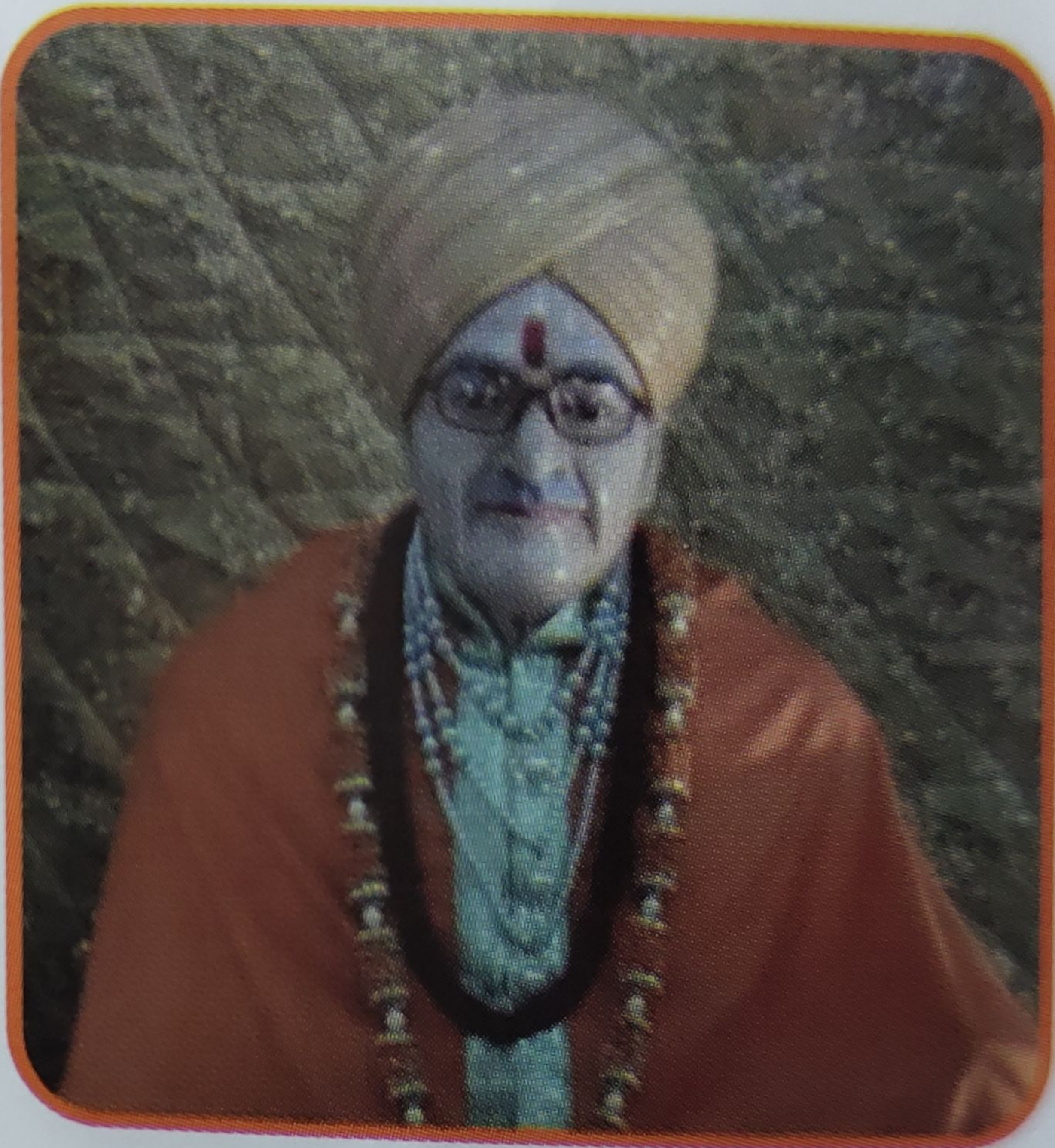

श्री 108 बापू भानु दत्त जी महाराज

मिलेगा ओम् के चरणों में स्थान।
ओम् की महिमा को पहचान।34।

सब जीवों में ओम् की जोत।
बिन आज्ञा ओम् की कुछ न होत।35।

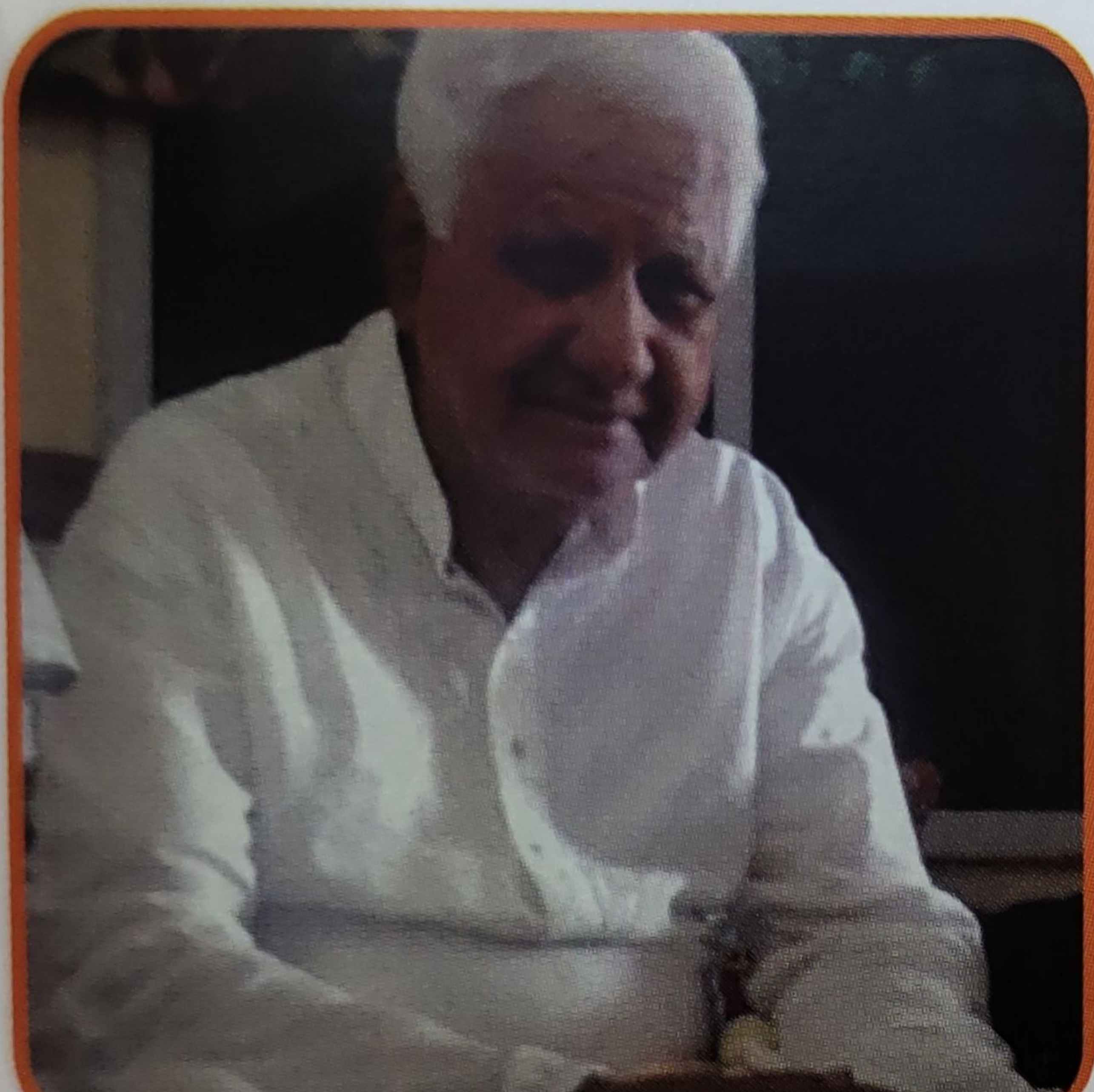

श्री 108 बापू हरभगवान जी महाराज

ओम् से हो हर ओर प्रकाश।
ओम् करे दुःख रोग का नाश।36।

ओम् को कर दे सब कुछ अर्पण।
ओम् है मुक्ति का दर्पण।37।

शेरन के शेर बापू ओम नारायण दत्त जी महाराज

ओम् नाम में करो होश।
ओम् नाम से मिले संतोष।38।

ओम् बिना न सृष्टि चलती।
ओम् बिना न मुक्ति मिलती।39।

श्री 108 बापू हरभगवान जी महाराज

ओम् ही सब प्रश्नों का मूल।
प्यारे ओम् को कभी न भूल।40।

ओम् नाम का करो गुणगान।
ओम् नाम जपने में है शान।41।

श्री ओम दरबार नन्दाचौर धाम

ओम् है शक्ति स्वरुप।
ओम् का प्यारे है रुप अनूप।42।

हो जल, धरती या हो व्योम्।
कण–कण में बसे ओम् ही ओम् ।43।

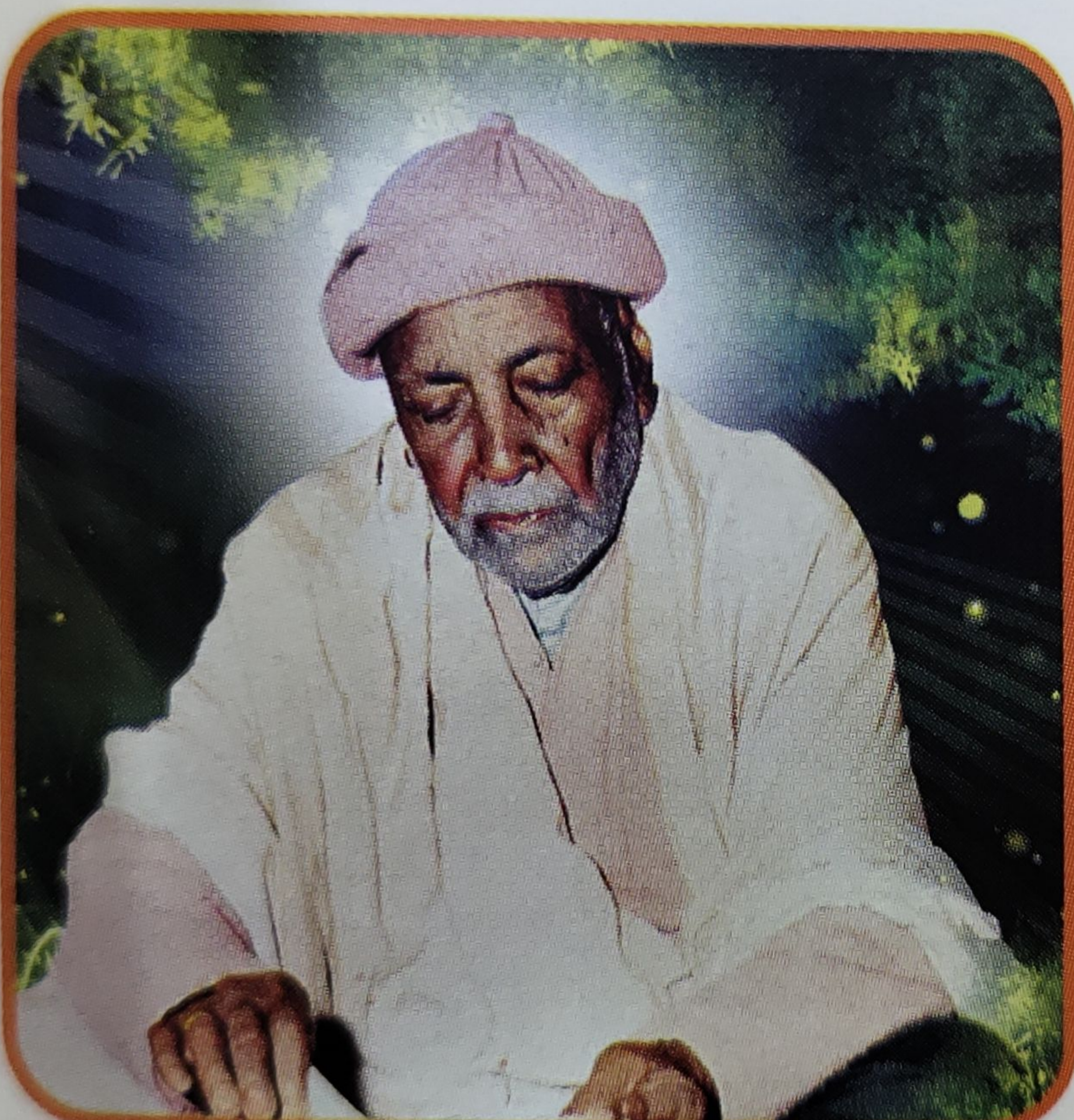

जगत स्वामी श्री 108 बापू श्रद्धाराम जी महाराज

जपो ओम् ध्यायो ओम् सुनो ओम्।
बोलो सारे ओम् ही ओम् ।44।

हो दिन रवि या हो सोम।
सिमर मन ओम् ही ओम् ।45।

श्री 108 बापू हरभगवान जी महाराज

ओम् ओम् से हटे कलेश।
ओम् मांही ब्रह्मा, विष्णु, महेश ।46।

मिथ्या है वह संसार।
जहाँ नहीं ओम् नाम संचार।47।

जगत स्वामी श्री 108 बापू श्रद्धाराम जी महाराज

मिथ्या है काम, लोभ, मोह, क्रोध।
सच्चा है ओम् नाम का बोध।48।

ओम् संतो का शुभ विचार।
ओम् नाम से बेड़ा पार ।49।

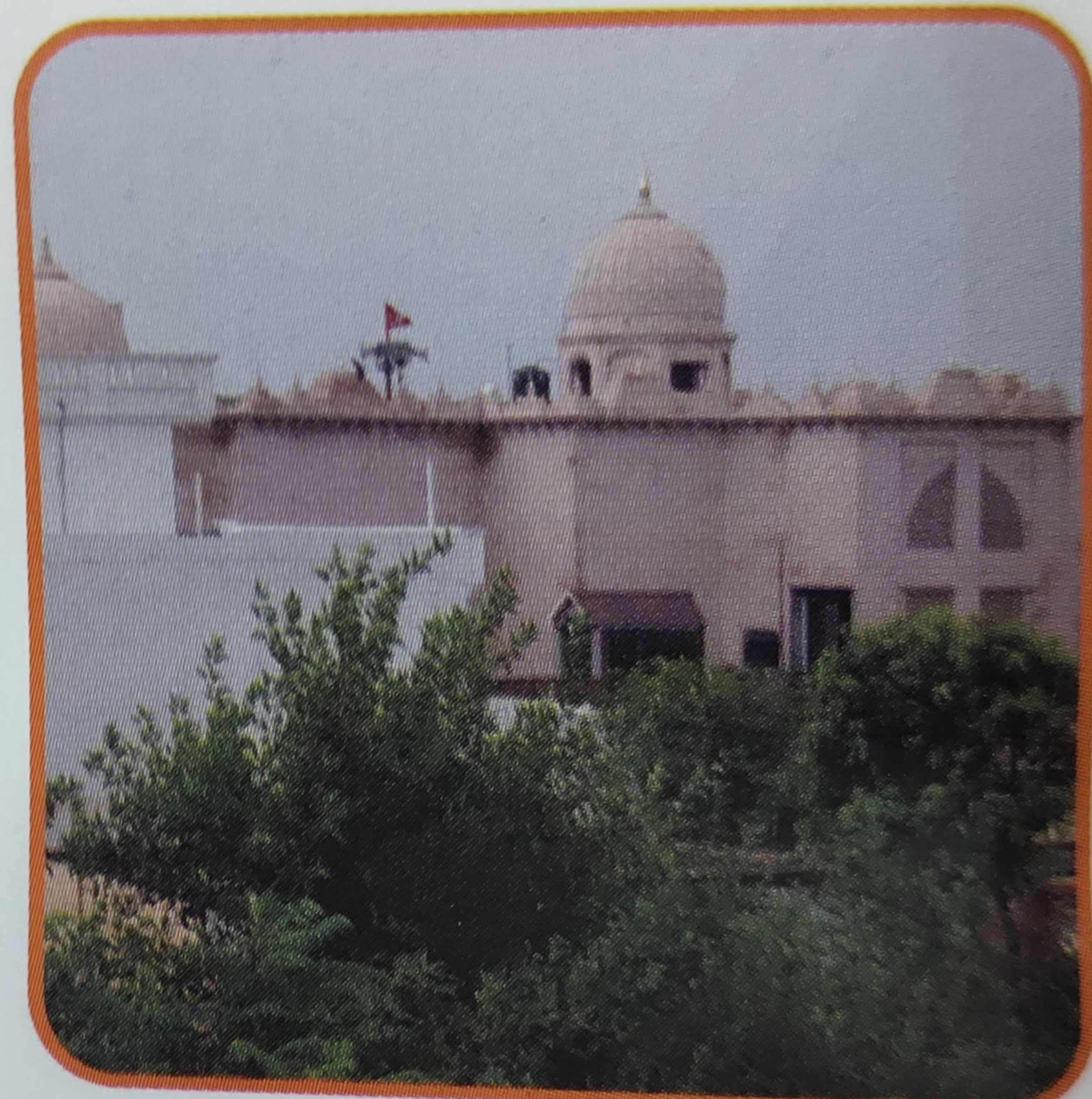

श्री ओम दरबार नन्दाचौर धाम

ओम् से हो सब का मंगल।
जीवन में न रहे अमंगल ।50।

ओम् नाम सुखों की युक्ति।
ओम् नाम से मिलेगी मुक्ति।51।

जगत स्वामी श्री 108 बापू श्रद्धाराम जी महाराज

ओम् का न किसी से वैर।
ओम् चाहे सब की खैर।52।

ओम् का रखो सदा स्मरण।
जीवन में हरि ओम् अमरण।53।

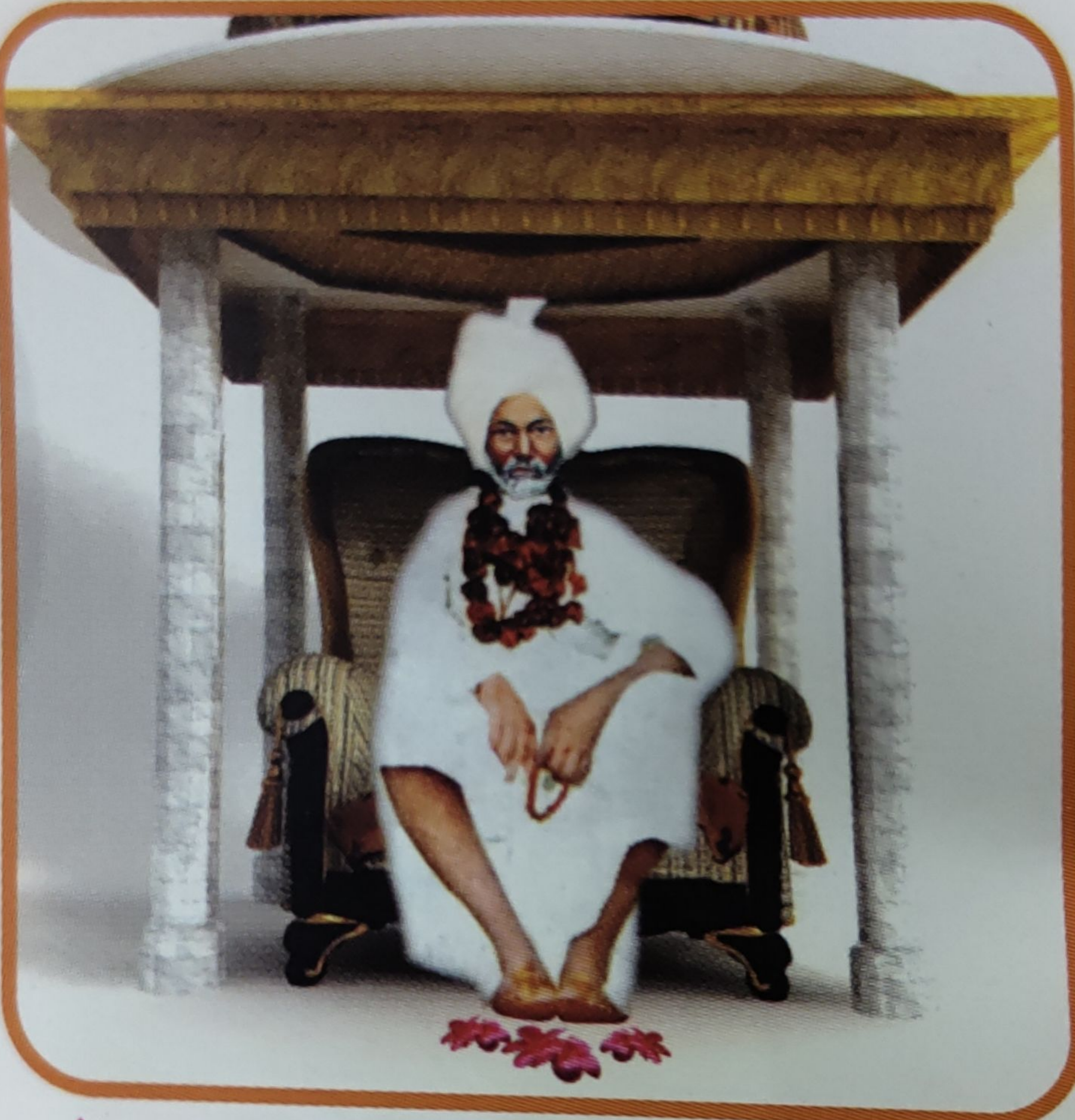

शेरन के शेर बापू ओम नारायण दत्त जी महाराज

ओम् बसा है रोम–रोम।
बोलो सारे ओम् ओम् ओम्।54।

बापू श्री परम हंस ठाकुर जी महाराज नमोस्तुते।
बापू श्री ओम नरायण दत्त जी महाराज नमोस्तुते।
बापू महाबली श्री हरनाम जी महाराज नमोस्तुते।
जगत स्वामी बापू श्रद्धा राम जी महाराज नमोस्तुते।
बापू श्री गुरदास राम जी महाराज नमोस्तुते।
बापू श्री भानू दत्त जी महाराज नमोस्तुते।
बापू श्री हरभगवान जी महाराज नमोस्तुते।

बापू श्री गोसाई राम लाल जी महाराज नमोस्तुते।

बापू श्री देसराज जी महाराज नमोस्तुते।

बापू श्री सत्य प्रकाश जी महाराज नमोस्तुते।

बापू श्री बनवारी लाल जी महाराज नमोस्तुते।

बापू श्री प्यारे लाल जी महाराज नमोस्तुते।

नमो–नमो सुख के दाता, नमो नमो भाग्य विधाता।
नमो नमो सृष्टि के रचयिता , नमो – नमो पालन करता
ओम बापू विघ्न हरता , शरणागत की रक्षा करता।
और करता कल्याण।
दर्शन दे बापू , तुझ को पुकारे तेरी सन्तान।
तेरी सन्तान तुझ को पुकारे।
लगा लगा कर ऊँचे जयकारे।
हजारों पापी तूने तारे।

मैं भी एक पापी बापू।
जो तुझ को पुकारे।
नन्दाचौर दरबार की शोभा निराली।
मांगे भक्त यहाँ सुखों की प्याली।
झोली भर कर ले जाते सवाली।
कोई ना गया आज तक खाली।

अद्‌भुत ज्योति जगे दरबार में।
फैले रोशनी सारे संसार में।
जिसने जलाई तेरी ज्योति।
देवे तू उसे सुखों के मोती।
नन्दाचौर दरबार में होवे।
श्री मद भगवद् गीता।
और रामायण जी का पाठ।

शहनशाहों का तू शहनशाह।
बापू तेरे क्या ठाठ।
डंका नगाड़े दरबार में बाजे।
पगड़ी सर पर , हाथ में माला साजे।
पावन वह जगह बापू , जहाँ तू बिराजे।
थड़ा साहिब पर किया ताप।

सच्च खण्ड साहिब में किया जाप।
ओम बापू नन्दाचौर में बिराजे आप।
गुफा बापू ओम की लगे प्यारी।
जहाँ सर झुकाये सृष्टि सारी।
कल्याण कर रहे कल्याण कारी।
पापों का विनाश कर हे विनाशकारी।

तू ही सृष्टि का सिरजनहार।
हम मूर्ख तुम ज्ञानी।
पाप हमारे बक्श दे बापू।
तू है बक्शनहार।
कण कण में है तेरा वास।
भक्तों के हर पल रहे साथ।
जिसने तुझे ध्याया।

उस ने तुझे पाया।
सब की तू है एक आस।
विनम्र भाव से करूं सेवा तेरी।
सुन ले बापू विनय मेरी।
मन में आए ना क्रोध , मोह, काम।
सुबह शाम लू मैं तेरा नाम।

विश्वास मेरा टूटे ना।
साथ तेरा छूटे ना।
कभी भी मैं डोलू ना।
बोल मंदा बोलू ना।
गुण बापू तेरे अनेक।
हम लाखों तू लाखों का एक।

गुण गावे तेरी सारी सृष्टि।
कर दे बापू कृपा दृष्टि।
ब्रह्माण्ड भी तेरी आरती उतारे।
पुष्प है यह तारे।
चरण तेरे झरने नदियाँ धुलाए।
हवा का झोका तुझे झुलाए।
चाँद सूरज आरती के दीप।
थाल यह सारा गगन।

भक्ति में तेरी सब मग्न।
दिल में सब के तू बसता है।
देखने को तुझे दिल तरसता है।
चरणों में स्थान दे दे।
इतना सा मान दे दे।
इस दुनिया में रहूँ जब तक।
शीश निवाऊं तेरे चरणों में तब तक।
मन कहीं बहक ना जाए।

तू मुझ से दूर ना जाए।
दे हम को सद् बुद्धि बापू।
हर ले कुटिल कुबुद्धि बापू।
तू हमें ज्ञान दे दे।
मंगल सब का चाहे।
ऐसा एक वरदान दे दे।
तेरी मेरी अनूठी प्रीत।
जन्म जन्मों का तू मेरा मीत।

रहूँ तेरी भक्ति में लीन।
जैसे जल में मीन अधीन।
स्वास स्वास लूं नाम तेरा।
कर दे बापू कल्याण मेरा।
नाम तेरा रत्न अनमोल।
दास नाम की महिमा बोल।
नाम लेने का लगे ना मोल।
कटे ना जीवन तेरे बिन।

नाम तेरा लूं हर दिन।
नाम तेरा पापों का नाशक।
नाम तेरा एक तारक।
नाम बसे तेरा मेरे रोम रोम।
ओम् ओम् ओम्।
ओम् ओम् ओम्।
उड़ ना जाए मेरे प्राण।
दे बापू अभय दान।

काल भी तुझ से भय खाते है।
देवता भी तुझे ध्याते है।
करे जो तेरी भक्ति।
दी उसे तूने शक्ति।
और खोले मुक्ति के द्वार।
बापू ओम् तुझ को गौरव का।
कोटि कोटि नमस्कार।

हरि ॐ

हरि ॐ

हरि ॐ

हरि ॐ

सप्रेम भेंटः

निर्मल रानी (मेरठ)

योगेश जग्गा (9897243835)

ओम नारायण ज्वैलर्स

Design and Printed By:
www.bapugraphics.com